## श्री शंकरावरील पदें

## पद ८१

हर हर शिव शंकर शंभो हर हर।।ध्रु.।। पंचवदन विरुपाक्षा। विध्वंसन क्रतुदक्षा ।।१।। गौरीवर गंगाधर। अहिकुंडल शशिशेखर।।२।। पशुपति भस्मोद्धारण। दशकर मदन हुताशन।।३।। नीलग्रीव रुण्डमाळ। ग्राहक नर कपाला।।४।।

गजचर्मवसन विश्वेशा। जगतारक व्योमकेशा।।५॥ विषभक्षक मृत्युंजय। ॐ नम: शिवाय भवाय।। ६॥ मदनांतक सुखदायक। सह पिशाच्च स्मशान स्थायक।।७॥ गजवदन षडानन ताता। सकल दैवतत्राता।।८॥ मायाविकार विहीना। रक्षक माणिकादीना।।९॥